

16/11/22 पत्रावली पेश हुई। कोई भी
 उपस्थित नहीं आया। वादी भी गलती
 है व मरमर खतवाले के लिए काफी
 अवसर दिए जाने के बावजूद वादी दफ्त
 -पापालय आदेशों की पालना नहीं की
 जा रही है। वादी दफ्त -पापालय के आदेश
 की पालना नहीं करने से पत्रावली 09/12/05
 में खारिज की जा रही है। पत्रावली जो फल
 धर्म होकर वाक्य है वह वाद खारिज
 है।

उपरोक्त अधिकारी

बहाल (जजवर) राज 0